भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 18 दिसंबर, 2025
जारी करने का समय: 1320 घंटे

विषय: (i) 19 से 21 दिसंबर के दौरान उत्तर प्रदेश और हरियाणा में सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। 19 और 20 दिसंबर को पंजाब, उत्तराखंड और बिहार में भी यही स्थिति रहेगी और उसके बाद अगले 2-3 दिनों तक घना कोहरा छाया रहेगा।

(ii) 19 से 21 दिसंबर के दौरान पूर्वोत्तर भारत में, 19 से 20 दिसंबर के दौरान हिमाचल प्रदेश में और 18 से 20 दिसंबर के दौरान ओडिशा और झारखंड में घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

(iii) अगले 2 दिनों के दौरान उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में कुछ स्थानों पर ठंड रहेगी और कुछ इलाकों में भीषण ठंड पड़ने की संभावना है।

अतीत 24 घंटों (15 दिसंबर, 0830 भा.मा.स. तक) के दौरान वास्तविक मौसम:

- तमिलनाडु में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा दर्ज की गई।
- उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों और उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा के कुछ छिटपुट इलाकों में सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा (दृश्यता <50 मीटर) छाया रहा; मेघालय, ओडिशा और बिहार के कुछ छिटपुट इलाकों में घना कोहरा (दृश्यता 50-199 मीटर) दर्ज किया गया।

- दृश्यता (≤200 मीटर) दर्ज की गई: पश्चिमी उत्तर प्रदेश: आगरा (आयरलैंड) और बरेली (आयरलैंड) - 0 प्रत्येक, आगरा (ताज) - 20, अलीगढ़ - 40, अम्स मुरादाबाद - 50, अम्स अलीगढ़ और मेरठ - 100 प्रत्येक; पूर्वी उत्तर प्रदेश: एम्स कुशनीगर, प्रयागराज (आईएएफ), गोरखपुर (आईएएफ) और कानपुर (आईएएफ) -0 प्रत्येक, बलिया और गोरखपुर -10 प्रत्येक, बहराईच और प्रयाग -20 प्रत्येक, फतेहगढ़ और हरदोई -30 प्रत्येक, बस्ती, आजमगढ़, फुरसतगंज, अयोध्या और वाराणसी (एपी) -50 प्रत्येक, लखीमपुर खीरी -80, सुल्तानपुर और कानपुर (शहर) -100 प्रत्येक, गाजीपुर -150; उत्तराखंड: हरिद्वार (25 मीटर), पंतनगर (50 मीटर) और खटीमा (75 मीटर); पंजाब: पटियाला (30 मीटर); हरियाणा: अंबाला (40 मीटर), चंडीगढ़ आईएएफ (<50 मीटर); मेघालय: बारापानी 50, ओडिशा: राउरकेला (50 मीटर); बिहार: गया, भागलपुर 50-50; पटना (100मी.)।
- पश्चिम मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर शीत लहर की स्थिति देखी गई।

मौसमी प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनियाँ (परिशिष्ट I एवं II देखें):

- जम्मू के निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में एक पश्चिमी विक्षोभ चक्रवाती परिसंचरण के रूप में मौजूद है।
- मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों में दक्षिण-पश्चिम ईरान के ऊपर एक अन्य पश्चिमी विक्षोभ चक्रवाती परिसंचरण के रूप में मौजूद है।

- दक्षिणी केरल के निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।

- उत्तर भारत में समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर लगभग 105 समुद्री मील की गति वाली उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम चल रही है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम संभावित है:

- 20 और 21 दिसंबर को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद के कुछ/कई स्थानों पर हल्की बारिश/बर्फबारी की संभावना है। 18, 19, 22 और 23 दिसंबर को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद के कुछ/अलग-अलग स्थानों पर, 20-22 दिसंबर के दौरान हिमाचल प्रदेश में और 20 और 21 दिसंबर को उत्तराखंड में भी हल्की बारिश/बर्फबारी की संभावना है।
- 21 दिसंबर को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद के कुछ अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश/बर्फबारी की संभावना है।
- 20-22 दिसंबर के दौरान पंजाब के कुछ अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना है।

आज, 16 दिसंबर, 0830 भा.मा.स. तक के पिछले 24 घंटों के दौरान तापमान दशाएँ:

- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद में कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा; हिमाचल प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में भी कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा; उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, ओडिशा, मध्य महाराष्ट्र, केरल और माहे में कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5-10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा; तेलंगाना, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, असम और मेघालय में भी कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस इंदौर (पश्चिमी मध्य प्रदेश) में दर्ज किया गया।

- असम और मेघालय, छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, मराठवाड़ा और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में भी कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे (-1.6 डिग्री सेल्सियस से -3.0 डिग्री सेल्सियस) रहा। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, तेलंगाना, विदर्भ और पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी नीचे (-5.0°C से -3.1°C) रहा। (परिशिष्ट IV देखें)
- पिछले 24 घंटों में पश्चिमी हिमालय क्षेत्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात राज्य, पूर्वी मध्य प्रदेश और उत्तरी राजस्थान के कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान में 1-2°C की वृद्धि देखी गई है; महाराष्ट्र, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम के कुछ हिस्सों में 1-2°C की गिरावट और दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत के कुछ स्थानों पर 3-5°C की गिरावट दर्ज की गई है।

न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान:

- अगले 24 घंटों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है। इसके बाद अगले 3 दिनों में तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होगी और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होगा।

- अगले 2 दिनों के दौरान महाराष्ट्र में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद अगले 5 दिनों में तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होगी।

- अगले 2 दिनों के दौरान गुजरात में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है और उसके बाद अगले 5 दिनों में तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट होगी।

- अगले 7 दिनों के दौरान देश के शेष हिस्सों में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- अगले 2-3 दिनों के दौरान हरियाणा और पंजाब में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, और उसके बाद अगले 4 दिनों में इसमें 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट आएगी।

- अगले 3 दिनों के दौरान उत्तराखंड में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, और उसके बाद अगले 4 दिनों में इसमें 1-2 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट आएगी।

- अगले 7 दिनों के दौरान बिहार में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

सघन कोहरा एवं शीत लहर चेतावनियाँ:

- 19 और 20 दिसंबर को पंजाब के कुछ स्थानों पर, 19-21 दिसंबर को हरियाणा के चंडीगढ़ में, और 21, 24 और 25 दिसंबर को पंजाब के कुछ अलग-अलग इलाकों में, तथा 22, 24 और 25 दिसंबर को हरियाणा के चंडीगढ़ में, सुबह के समय घना से अत्यंत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।
- 19 से 21 दिसंबर तक उत्तर प्रदेश के कुछ/कई स्थानों पर, और 22 से 25 दिसंबर तक उत्तर प्रदेश के कुछ अलग-अलग इलाकों में, सुबह के समय घना से अत्यंत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

- 19 और 20 दिसंबर को उत्तराखंड के कुछ इलाकों में सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। 21 दिसंबर को भी उत्तराखंड के कुछ इलाकों में सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।
- 19 से 22 दिसंबर के दौरान बिहार के कुछ स्थानों पर, 19 और 20 दिसंबर को झारखंड और ओडिशा के कुछ इलाकों में, 20 दिसंबर को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में और 19 से 22 दिसंबर के दौरान उत्तर-पूर्वी भारत में सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।
- 18 दिसंबर को पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ स्थानों पर शीत लहर चलने की प्रबल संभावना है।

- 19 और 20 दिसंबर को उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर तथा उत्तराखंड के कुछ स्थानों पर 19 और 20 दिसंबर को भीषण ठंड पड़ने की प्रबल संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को 18 दिसंबर से 23 दिसंबर के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी जाती है:

- बंगाल की खाड़ी: मन्नार की खाड़ी और उससे सटे कोमोरिन क्षेत्र में 18 से 20 दिसंबर के दौरान मछली पकड़ने न जाएं।

ii) दिल्ली/एनसीआर में 18-21 दिसंबर 2025 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (परिशिष्ट III)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php
मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

महत्वपूर्ण बारिश दर्ज की गई (सेमी में) (कल सुबह 0830 बजे से आज सुबह 0830 बजे तक):

- **तमिलनाडु:** नालुमुक्कु (जिला तिरुनेलवेली), ओथु (जिला तिरुनेलवेली) 14 प्रत्येक, कक्काची (जिला तिरुनेलवेली) 12, मंजोलाई (जिला तिरुनेलवेली) 11, आर.एस.मंगलम (जिला रामनाथपुरम) 6, परमाकुडी (जिला रामनाथपुरम), रामनाथपुरम (जिला रामनाथपुरम), इलयांगुडी (जिला शिवगंगई) 4 प्रत्येक।

अनुलग्नक ।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	18- Dec	19- Dec	20- Dec	21- Dec	22- Dec	23- Dec	24- Dec
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
3	ASSAM & MEHGHALAYA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
8	JHARKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	DRY	SCT	SCT	ISOL	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	ISOL	FWS	WS	SCT	ISOL	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
29	TELANGANA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
35	KERALA AND MAHE	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
36	LAKSHADWEEP	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

अनुलग्नक II

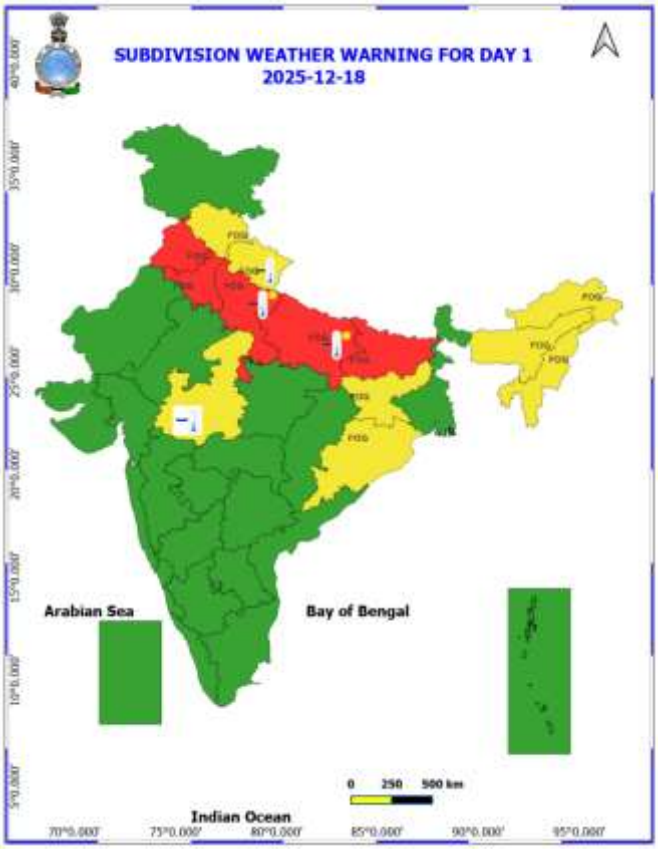
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-12-18
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

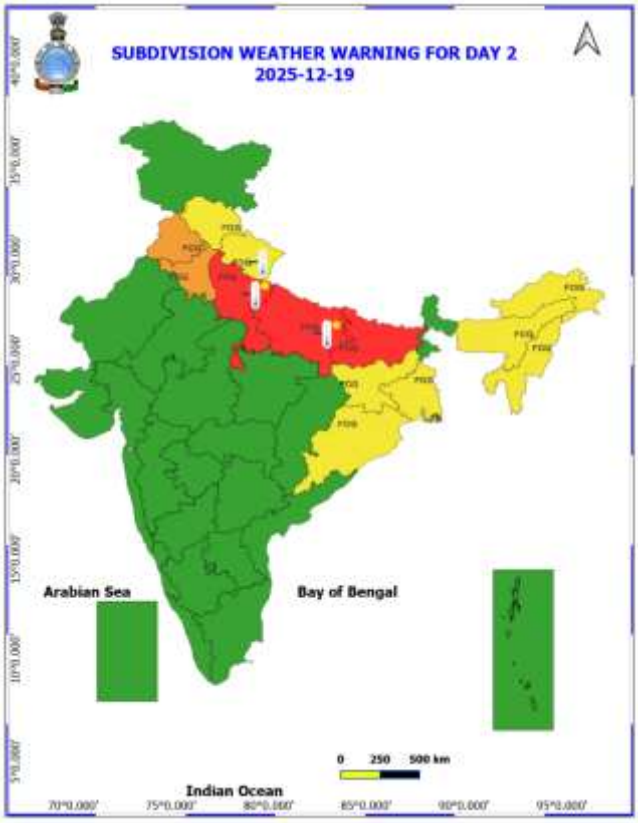
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-12-19
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

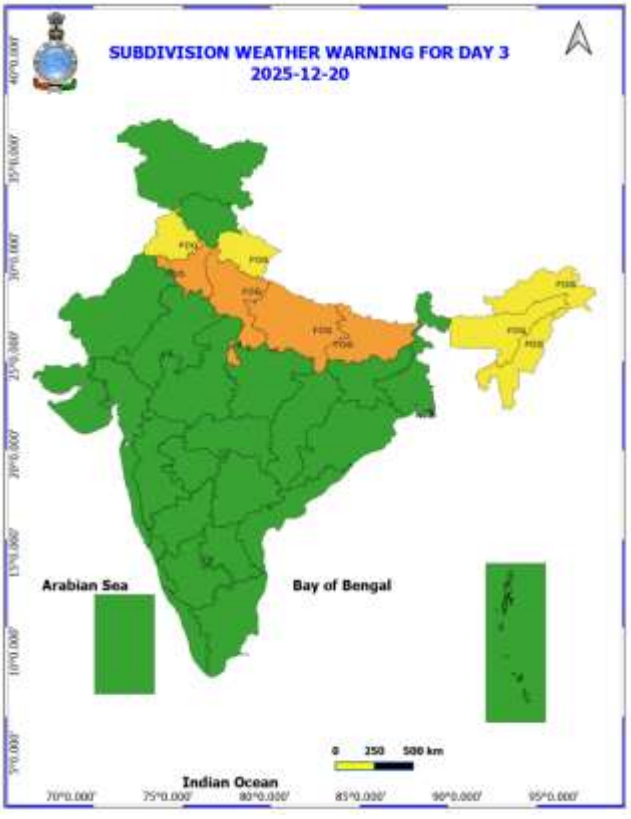
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-12-20
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

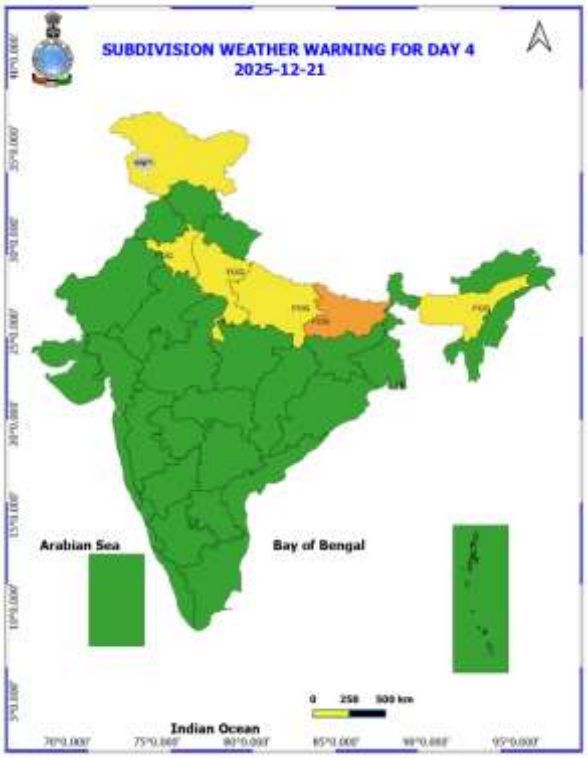

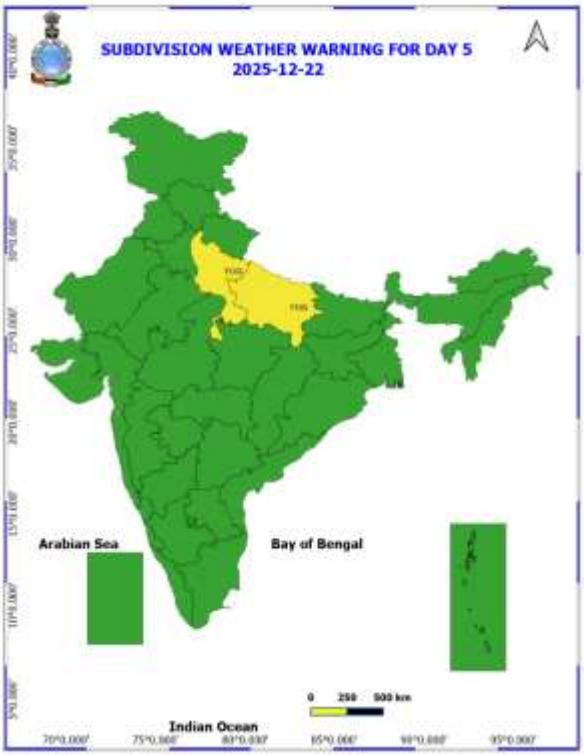

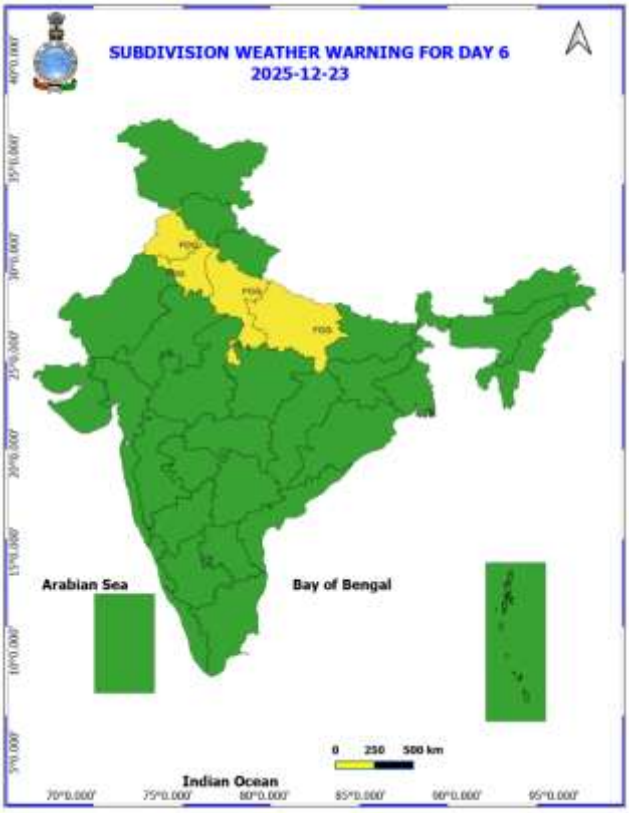

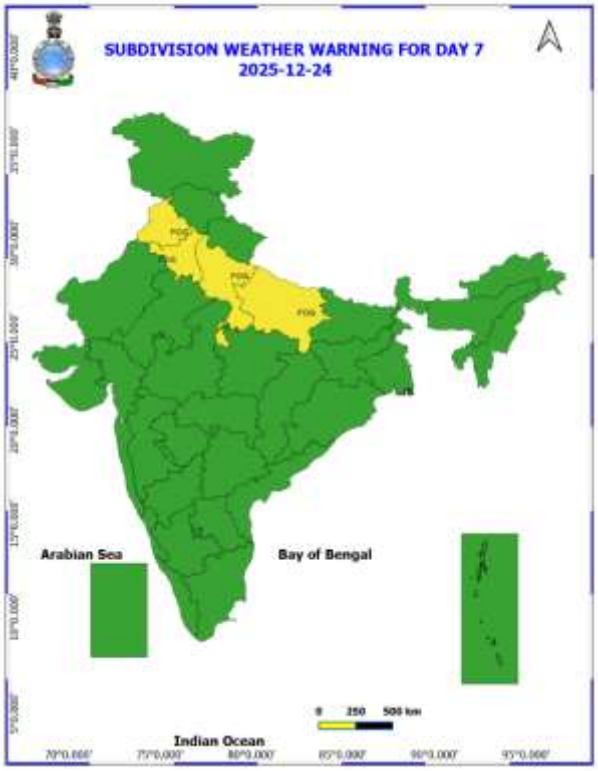

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

18 से 21 दिसंबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में न्यूनतम तापमान में 1-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है, जबकि अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 22 से 25 डिग्री सेल्सियस और 7 से 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। दिल्ली में कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6 से 3.0 डिग्री सेल्सियस) है, जबकि अधिकांश स्थानों पर यह सामान्य (-1.5 से 1.5 डिग्री सेल्सियस) है। वहीं, कई स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1 से 5.0 डिग्री सेल्सियस) से लेकर सामान्य से अधिक (1.6 से 3.0 डिग्री सेल्सियस) तक रहा, जबकि कुछ स्थानों पर यह सामान्य (-1.5 से 1.5 डिग्री सेल्सियस) है। सफदरजंग हवाई अड्डे पर 18.12.2025 को सुबह 6:30 बजे (भारतीय समयानुसार) से दृश्यता 100 मीटर तक दर्ज की गई, जो अब तक की सबसे कम दृश्यता है। पालम हवाई अड्डे पर 18.12.2025 को सुबह 6:30 बजे (भारतीय मानक समय) से 7:00 बजे (भारतीय मानक समय) तक सबसे कम दृश्यता 100 मीटर दर्ज की गई, जो बाद में सुधरकर 7:30 बजे (भारतीय मानक समय) से 200 मीटर हो गई। पिछले 24 घंटों के दौरान पालम और सफदरजंग में घना कोहरा छाया रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और पश्चिमी दिशा से 18 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से सतही हवाएं चलीं। आज सुबह के समय क्षेत्र में आंशिक रूप से बादल छाए रहे और घना कोहरा छाया रहा, साथ ही पश्चिमी दिशा से 5 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से शांत हवाएं चलीं।

मौसम का पूर्वानुमान:

18.12.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिन में मध्यम से घना कोहरा रहेगा। अधिकतम तापमान 19 से 21 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। दोपहर के समय सतही हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी, जिसकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। शाम और रात के दौरान हवा की गति घटकर 8 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

19.12.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय कई स्थानों पर मध्यम कोहरा और कुछ स्थानों पर घना कोहरा रहेगा। शाम/रात के दौरान धुंध/हल्का कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 21 से 23 डिग्री सेल्सियस और 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। सुबह के समय सतह पर चलने वाली हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी और इसकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति घटकर पश्चिम दिशा से 5 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

20.12.2025: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय कई स्थानों पर हल्की धुंध छाई रहेगी और कुछ स्थानों पर मध्यम धुंध रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 22 से 24 डिग्री सेल्सियस और 7 से 9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा और अधिकतम तापमान दिल्ली में सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहेगा। सुबह के समय सतही हवा मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से चलेगी और इसकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी और इसकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 5 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

21.12.2025: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय कई स्थानों पर मध्यम कोहरा और कुछ स्थानों पर घना कोहरा छा सकता है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 23°C से 25°C और 9°C से 11°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (0.9 से 2.9°C) और अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (0.8 से 2.8°C) रहेगा। सतही हवा मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी गति 5 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर में उत्तर-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की गति भी 5 किमी प्रति घंटा तक रहेगी। शाम और रात के समय उत्तर-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की गति 5 किमी प्रति घंटा से कम रहेगी।

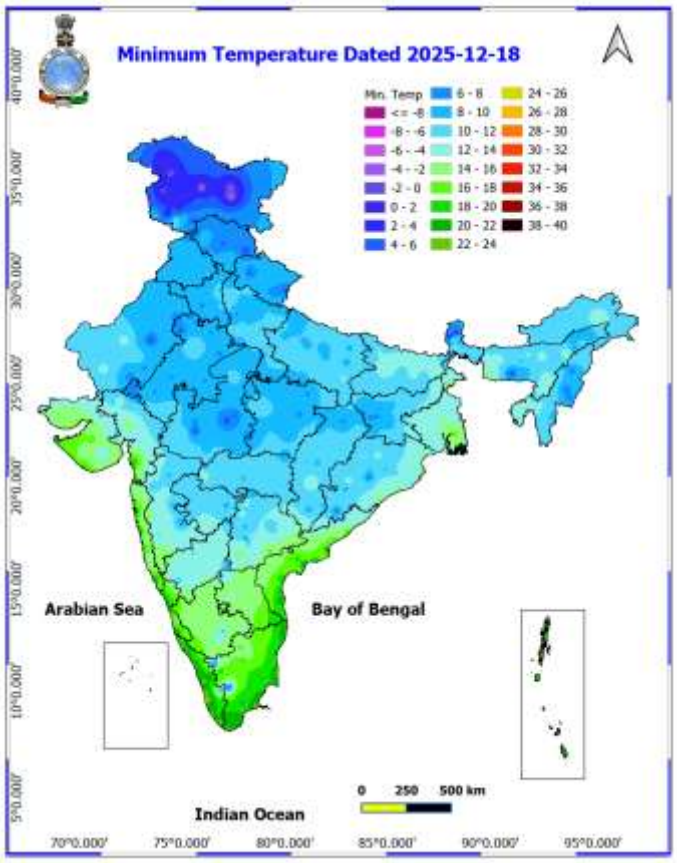

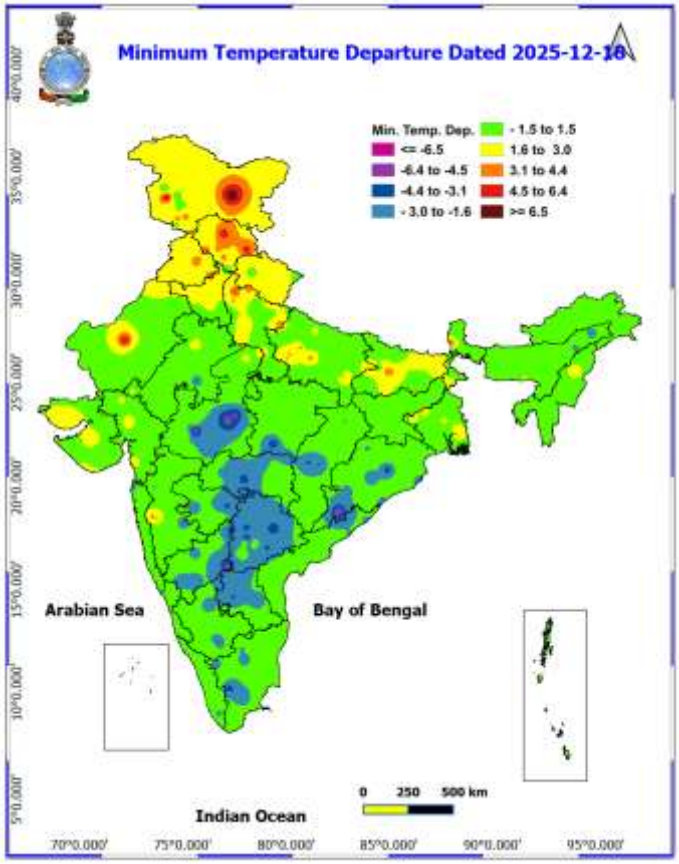

सुबह के समय घने/बहुत घने कोहरे के कारण प्रभाव पड़ने की आशंका है:

- मेट-उप-मंडल के क्षेत्रों में कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे मार्गों पर प्रभाव पड़ सकता है।
- धीमी यात्रा के समय के साथ कठिन ड्राइविंग परिस्थितियाँ।
- यदि एहतियाती उपाय नहीं किए गए, तो इससे कुछ सड़क यातायात दुर्घटनाएँ हो सकती हैं।

❖ बिजली क्षेत्र:

- बहुत घने कोहरे वाले मार्गों में बिजली लाइनों के ट्रिप होने की संभावना।

❖ मानव स्वास्थ्य:

- फेफड़ों से संबंधित स्वास्थ्य प्रभाव: घने कोहरे में कणिका तत्व और अन्य प्रदूषक होते हैं और इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो जाते हैं, उन्हें अवरुद्ध कर देते हैं और उनकी कार्यात्मक क्षमता को कम कर देते हैं जिससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ बढ़ जाती है।
- अस्थमा, ब्रोंकाइटिस से पीड़ित लोगों पर प्रभाव: लंबे समय तक घने कोहरे के संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को सांस लेने में समस्या हो सकती है।
- आँखों में जलन: घने कोहरे में विभिन्न प्रकार के प्रदूषण होते हैं और हवा में मौजूद ये प्रदूषक आँखों की झिल्लियों में जलन पैदा कर सकते हैं जिससे विभिन्न संक्रमण हो सकते हैं जिससे आँखों में लालिमा या सूजन आ सकती है।

सुझाई गई कार्रवाई:

❖ परिवहन और विमानन:

- वाहन चलाते समय या किसी भी परिवहन से यात्रा करते समय सावधान रहें।
- वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें।
- अपनी यात्रा के कार्यक्रम के लिए एयरलाइन, रेलवे और राज्य परिवहन से संपर्क में रहें।

❖ विद्युत क्षेत्र:

- रखरखाव टीम को तैयार रखना।
- मानव स्वास्थ्य: आपातकालीन स्थिति को छोड़कर बाहर जाने से बचना और चेहरा ढकना चाहिए।

शीत लहर की स्थिति के कारण प्रभाव पड़ने की आशंका है

प्रभाव अपेक्षित

- ❖ फ्लू, बहती/नाक बंद होना या नाक से खून आना जैसी विभिन्न बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है, जो आमतौर पर ठंड के लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण होती हैं या बढ़ जाती हैं।
- ❖ कंपकंपी को नजरअंदाज न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर गर्मी खो रहा है। घर के अंदर आ जाएं।
- ❖ लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से शीतदंश हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः शरीर के खुले हिस्सों जैसे उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और/या कानों पर काले छाले दिखाई देते हैं। गंभीर शीतदंश में तत्काल चिकित्सा ध्यान और उपचार की आवश्यकता होती है।
- ❖ कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र पर प्रभाव।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ ढीले-ढाले, हल्के वज़न के गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों की उंगलियों को अच्छी तरह से ढकें क्योंकि शरीर की अधिकांश ऊष्मा इन्हीं अंगों से निकलती है। भारी कपड़े की एक परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के वज़न के गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ पर्याप्त प्रतिरक्षा बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्ज़ियाँ खाएँ और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएँ।
- ❖ बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- ❖ शरीर को सूखा रखें, यदि गीला हो, तो शरीर की गर्मी को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदलें। इंसुलेटेड/वाटरप्रूफ जूते पहनें।
- ❖ शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- ❖ यदि प्रभावित त्वचा का हिस्सा काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।
- ❖ जहरीले धुएं से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- ❖ बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- ❖ संवेदनशील लोगों के लिए अत्यधिक देखभाल की आवश्यकता है।
- ❖ शीतदंश/ हाइपोथर्मिया से पीड़ित व्यक्ति के लिए जल्द से जल्द चिकित्सा सहायता लें।
- ❖ पशुओं को ठंड के मौसम से बचाएँ।

शीत लहर / कम तापमान के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ **पश्चिम मध्य प्रदेश, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक** और **तेलंगाना** में, खड़ी फसलों को निम्न तापमान के प्रतिकूल प्रभाव से बचाने के लिए शाम के समय हल्की और नियमित अंतराल पर सिंचाई करें। मृदा में पर्याप्त तापमान बनाए रखने के लिए मल्चिंग का प्रयोग करें और सब्जियों की नर्सरी और फलों के छोटे पौधों को पुआल या पॉलीथीन शीट से ढक दें।

पशुपालन / मुर्गीपालन

- ➢ रात के समय पशुओं को शेड के अंदर रखें और ठंड से बचाने के लिए उन्हें सूखा बिस्तर उपलब्ध कराएं।
- ➢ मुर्गी शेड में कृत्रिम प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर चूजों को आवश्यक ऊष्मा प्रदान करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा: >**204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

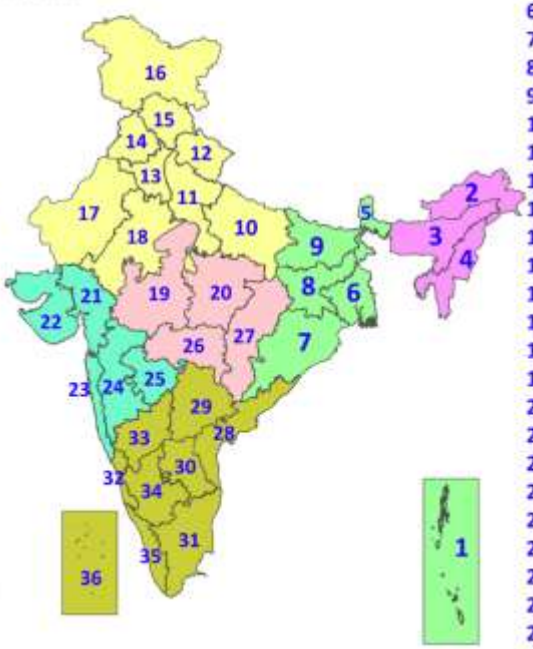

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)